Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding the issue of Antrix Devas Spectrum sale case.

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से … * भ्रष्टाचार की गंगोत्री है, के बड़े स्कैम की तरफ देश और पार्लियामेंट का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं ।

महोदय, जब माननीय वाजपेयी जी की सरकार थी, वर्ष 2003 में सरकार ने तय किया था कि हम लोगों को एस बैंड के लिए कंपनी बनानी चाहिए और एन्ट्रिक्स को इसकी मार्केटिंग करनी चाहिए । वर्ष 2003 में एक आदमी के साथ उसकी बातचीत स्टार्ट हुई । हमारी सरकार चली गई । आपको जानकर आश्चर्य होगा कि हमारी सरकार के जाने के बाद 28 जनवरी, 2005 को एन्ट्रिक्स और देवास नाम की कंपनी के साथ एक एग्रीमेंट साइन हुआ । …(व्यवधान) देवास कंपनी 17 दिसम्बर, 2004 को बनी । …(व्यवधान) उसके साथ 60,000 करोड़ का एग्रीमेंट भारत सरकार ने साइन किया । …(व्यवधान)

महोदय, दूसरा सवाल है कि जिन कंपनियों से पैसा आया, मॉरिशस की कंपनी … (व्यवधान) कंपनी 2006 में बनी, 2009 में बनी, 2010 में बनी ।…(व्यवधान) और … * जी ने एफआईपीबी का क्लियरेंस दिया । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री संतोष पाण्डेय जी ।

…(व्यवधान)

श्री संतोष पाण्डेय (राजनंदगाँव): माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपने संसदीय क्षेत्र राजनांदगाँव में स्थानीय व्यापारी, मजदूर, दैनिक वेतनभोगी, कर्मचारी, स्कूल, कॉलेज के छात्रों की बात कहना चाहता हूं ।…(व्यवधान)

डॉ. निशिकांत दुबे : इस क्लियरेंस को गलत तरीके से दिया गया । जिस कंपनी को दिया गया, गलत तरीके से दिया गया ।…(व्यवधान) भारत सरकार को 40,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है । इस कारण …* के तत्कालीन प्रधान मंत्री और तत्कालीन वित्त मंत्री के ऊपर सीबीआई केस किया जाए । मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करना चाहता हूं ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री दुष्यंत सिंह को श्री निशिकान्त दुबे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सुरेश जी, आप कुछ बोलना चाहते हैं?

…(व्यवधान)

SHRI KODIKUNNIL SURESH : Mr. Nishikant Dubey is unnecessarily putting allegation on the ... * Party. He is doing it without any notice. He is doing it because elections in Jharkhand are going to be there. He wants to gain political advantage …(*Interruptions*).

माननीय अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी कुछ कह रहे हैं ।

…(व्यवधान)

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रकाश जावड़ेकर): माननीय अध्यक्ष जी, जिस तरह से आज एक माननीय मंत्री द्वारा अपना पक्ष रखते समय कुछ सांसद जिस तरह से पेश आये हैं, हम इसकी भर्त्सना करते हैं । इनको आपके पास आकर माफी मांगनी चाहिए ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य चाहे वे इधर से हों या उधर से हों, जब कोई माननीय सदस्य बोल रहा हो, माननीय मंत्री जी बोल रहे हों तो क्या वेल में आकर आपस में विवाद करना चाहिए, क्या यह सदन के लिए उचित है?

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: यह गलत है ।

…(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल): जीरो ऑवर में वैसे तो कहते हैं कि सरकार का जवाब नहीं आ रहा है । जब मंत्री महोदया जी सरकार की तरफ से पक्ष रख रही थीं कि कितना-कितना पैसा राज्यों को दिया और काम नहीं हो रहा है, उसको आपने नहीं सुना और अभद्र व्यवहार किया, यह कैसे उचित हो सकता है । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट, आप बोलिए, क्या बोलना चाहते हैं?

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट, उनको बोलने दीजिए । हम आपको भी मौका देंगे ।

…(व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई (कलियाबोर): अध्यक्ष महोदय, जब हमने अपनी बात रखी तो हमारी यह अपेक्षा थी कि जो कन्संर्ड मंत्री हैं, जो गृह मंत्री हैं, क्योंकि लॉ एंड आर्डर की बात उठाई गई है, वे होंगे । …(व्यवधान) लेकिन, सबसे पहले एडजर्नमेंट मोशन देने के बाद भी कन्संर्ड मंत्री नहीं थे ।…(व्यवधान)

दूसरी बात यह है कि मंत्री महोदया ने, इस संदर्भ में जो घटना हुई है, उसके डिटेल्स में न जाकर राजनीतिक टिप्पणी की शुरुआत उन्होंने की ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट, आप विराजें, मुझे पूरी बात सुनने दीजिए ।

…(व्यवधान)

-

12.50 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Thirty

Minutes past Thirteen of the Clock.

-

13.33 hrs

The Lok Sabha reassembled at Thirty-Three

Minutes past Thirteen of the Clock.

(Shrimati Meenakashi Lekhi *in the Chair*)

-